

उत्तर प्रदेश सरकार
संस्थागत वित्त, कर एवं निबन्धन अनुभाग-2
संख्या-क0नि0-2-42/ग्यारह-9(1)/2008-उ0प्र0अधि0-5-2008-आदेश-(108)-2014
दिनांक: 10 जनवरी, 2014

अधिसूचना

उत्तर प्रदेश मूल्य सवर्धित कर अधिनियम, 2008 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 5, सन् 2008) की धारा 4 की उपधारा (4) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके, राज्यपाल, उक्त अधिनियम की अनुसूची-दो एवं अनुसूची-चार में दिनांक 11 जनवरी, 2014 से निम्नलिखित संशोधन करते हैं:-

संशोधन

(क) उक्त अनुसूची-दो में, भाग-क में,-

(एक) क्रम संख्या 33 की प्रविष्टि में, शब्द " हरी चाय की पत्ती एवं " विलोपित कर दिये जायेंगे।

(दो) क्रम संख्या 122 की प्रविष्टि में, शब्द "चाय" के स्थान पर शब्द "सभी प्रकार की चाय जैसे सफेद, पीली, हरी, उलून्ग (अथवा वूलून्ग), काली, लाल, पोस्ट फर्मेन्टेड चाय इत्यादि या पत्तियों से प्रसंस्कृत अथवा तैयार की गयी अन्य किसी रूप में चाय" रख दिये जायेंगे।

(ख) उक्त अनुसूची-चार में, क्रम संख्या 14 की प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियाँ स्तम्भवार रख दी जायेंगी, अर्थात्:-

क्रम संख्या	वस्तु का नाम एवं विवरण	कर का बिन्दु	कर की दर
1	2	3	4
15 (क)	सभी प्रकार के लुब्रीकैन्ट्स जब पंजीकृत व्यापारी की औद्योगिक इकाई को गैर वैट माल से भिन्न करयोग्य माल के निर्माण प्रक्रिया में प्रयोग के लिये कमिश्नर द्वारा निर्धारित प्रमाण-पत्र के विरुद्ध बिक्री किया जाय।	नि0 अथवा आ0	5%
15 (ख)	सभी प्रकार के लुब्रीकैन्ट्स क्रम संख्या 15 (क) में वर्णित मामलों के अतिरिक्त।	नि0 अथवा आ0	21%

आज्ञा से,


(बीरेश कुमार)
प्रमुख सचिव।